# माई अष्ट भुजा वाराहनी हो मां

माई अष्ट भुजा वाराहनी हो मां ,

प्रथम हाथ में ढाल लिए दूजे तलवार,
तीजे लिए सिरोही चौथे में कटार ॥
माई अष्ट भुजा वाराहनी हो मां ॥

पँचवे गदा सम्हारे रे छठवें त्रयशूल,
सातव पकड़े दुश्मन आठव दिए हूल ।
माई अष्ट भुजा वाराहनी हो मां ॥

चढ़ी सिंह देवी गरजे रे बांधे हथियार,
कौन बीर है रण में जो ठाने रार ।
माई अष्ट भुजा वाराहनी हो मां ॥

पापी बधे अनेकों रे दुर्गा दसभाल ।
अभिमानी नहीं छोड़े कर दिए हलाल ।
माई अष्ट भुजा वाराहनी हो मां ॥

कृष्ण उतारे माँ की आरति रे भरि कंचन थार ।
सुरपति चँवर डुलावें कालों की काल ।
माई अष्ट भुजा वाराहनी हो मां ॥

Source: https://www.bharattemples.com/mai-asht-bhuja-baarahni-ho-ma/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw